बी॰ए॰(ऑनर्स) पार्ट-III
पेपर-IV

Note - Sign of left out - ^

21-04-2020 क शेष

बसंत कुमार
अतिथि शिक्षक
दिनांक - 23.04.2020

Notes

मानक - हम तोरा देखसिओक
पूर्वी - हमे तोरा देखली,

4. छिकाछिकी बोली - डा॰ ग्रियर्सन के अनुसार गंगाक दक्षिण मैथिली अपनासँ पश्चिमक भाषा मगहीसँ प्रभावित अछि। अस्तित्ववाचक धातुक रूपमे छिक शब्दक प्रयोग बहुत होइत अछि। एहि बोलीमे शब्दक अंतमे ओ, हो' क उच्चारण कयल जाइत अछि। यथा - अपनो, कहबहो सुनलही, खएबहो,

5. पश्चिमी मैथिली - डा॰ ग्रियर्सनक अनुसार मुजफ्फरपुर जिला, दरभंगाक पश्चिमीपट्टी, सारण जिलाक निकटवर्ती स्थान एवं चम्पारण जिलाक अधिकांश भागमे प॰ मै॰ बाजल जाइत अछि।

6. उत्तरी बोली - नेपालक तराई, सीतामढ़ी जिलाक उत्तरी भाग धरि 'उत्तरी बोली' बोलल जाइत अछि, एहि भाषा पर नेपालीक प्रभाव अछि।

7. जोलहा बोली - पुरा दरभंगा जिलाक मुसलमानक बोली कें डा॰ ग्रियर्सन असली जोलहा बोली मानलनि। एहि बोलीपर अरबी, फारसीक प्रभाव अछि, वर्तमान समयमे उर्दू आ हिन्दीक प्रभाव सेहो अछि।

कुजरनीक बोली - ले धू न बैगन बड़ी सस्ता छइ।
दर्जीक बोली - कुर्ता सियबइ के छह त हाली सन अबिहह,

8. केन्द्रीय मैथिली - एकटा केन्द्रीय उपभाषा सेहो कहल गेल, मधुबनी कें इर्द-गीर्द 5-10 कोसक भाषा केन्द्रीय मैथिली कहल जा सकैत अछि। केन्द्रीय मैथिली आओर मानक मैथिलीमे समीप्य देखल जाइत अछि।